पाठ - एवरेस्ट मेरी शिखर यात्रा

शब्दार्थ-

1. **अभियान** – सेवा या उद्देश्य को बढ़ावा देने के लिए एक प्रयास
2. **अग्रिम** – पहला
3. **दुर्गम** – कठिन
4. **हिमपात** – बर्फ का गिरना
5. **निहारा** – देखा
6. **विचित्र** – विशेष
7. **आकर्षित** – मुग्ध
8. **हिम-स्खलन** – बर्फ का खिसकना
9. **अवसाद** – उदासी
10. **आशाजनक** – आशा उत्पन्न करने वाला
11. **भौंचक्की** – हैरान
12. **खंडों** – टुकड़ों
13. **अव्यवस्थित** – बिना किसी व्यवस्था के
14. **तत्काल** – अचानक
15. **हिम-विदर** – दरार
16. **संपूर्ण प्रवास** – पूरे सफर के दौरान
17. **अधिकांश** – ज़्यादातर
18. **अभियांत्रिकी** – तकनीकी
19. **विस्तृत** – विस्तार
20. **संतोषजनक** – राहत भरा
21. **नौसिखिया** – नया सीखने वाला
22. **हिमपुंज** – बर्फ का टुकड़ा
23. **भीषण गर्जना** – भयानक आवाज़
24. **साहसिक कार्य** – साहस से भरा कार्य
25. **हक्का-बक्का** – चौंकना
26. **आनंदित** – खुश
27. **दृश्यता शून्य** – कुछ भी देख पाना संभव नहीं
28. **शंकु** – नोक
29. **अनूठी** – अलग

egyanarchive

30.**उपलब्धि** – प्राप्ति

प्रश्न-अभ्यास

मौखिक

प्रश्न 1. अग्रिम दल का नेतृत्व कौन कर रहा था?

उत्तर- अग्रिम दल का नेतृत्व प्रेमचंद कर रहे थे।

प्रश्न 2. लेखिका को सागरमाथा क्यों अच्छा लगा?

उत्तर- लेखिका को 'सागरमाथा' नाम इसलिए अच्छा लगा क्योंकि सागरमाथा का अर्थ है- सागर का माथा और एवरेस्ट संसार की सबसे ऊँची चोटी है।

प्रश्न 3. लेखिका को ध्वज जैसा क्या लगा?

उत्तर- लेखिका को तेज हवाओं के कारण उठी हुई चक्करदार बर्फीली आकृति ध्वज जैसी प्रतीत हुई।

प्रश्न 4. हिमस्खलन से कितने लोगों की मृत्यु हुई और कितने घायल हुए?

उत्तर- हिमस्खलन से दो व्यक्तियों की मृत्यु हुई और नौ लोग घायल हुए।

प्रश्न 5. मृत्यु के अवसाद को देखकर कर्नल खुल्लर ने क्या कहा?

उत्तर- मृत्यु के अवसाद को देखकर कर्नल खुल्लर ने कहा कि ऐसे साहसिक अभियानों में होने वाली मृत्यु को सहज भाव से स्वीकार करना चाहिए।

egyanarchive

प्रश्न 6. रसोई सहायक की मृत्यु कैसे हुई?

उत्तर- रसोई सहायक की मृत्यु स्वास्थ्य के प्रतिकूल जलवायु में काम करने के कारण हुई।

प्रश्न 7. कैंप-चार कहाँ और कब लगाया गया?

उत्तर- कैंप-चार 7900 मीटर ऊँची 'साउथ कोल' नामक जगह पर 29 अप्रैल को लगाया गया था।

प्रश्न 8. लेखिका ने तेनजिंग को अपना परिचय किस तरह दिया?

उत्तर- लेखिका ने तेनजिंग को अपना परिचय देते हुए कहा कि वह नौसिखिया है और एवरेस्ट उसका पहला अभियान है।

प्रश्न 9. लेखिका की सफलता पर कर्नल खुल्लर ने उसे किन शब्दों में बधाई दी?
उत्तर- लेखिका की सफलता पर कर्नल खुल्लर ने कहा- मैं तुम्हारी इस अनूठी उपलब्धि के लिए तुम्हारे माता-पिता को बधाई देना चाहूँगा। देश को तुम पर गर्व है और अब तुम ऐसे संसार में वापस जाओगी, जो तुम्हारे अपने पीछे छोड़े हुए संसार से एकदम भिन्न होगा।

लिखित

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (25-30 शब्दों में) लिखिए-

प्रश्न 1. नज़दीक से एवरेस्ट को देखकर लेखिका को कैसा लगा?
उत्तर- नजदीक से एवरेस्ट को देखने पर लेखिका भौंचक्की रह गई। उसे टेढ़ी-मेढ़ी चोटियाँ ऐसी लग रही थीं मानो कोई बरफ़ीली नदी बह रही हो।

प्रश्न 2. डॉ. मीनू मेहता ने क्या जानकारियाँ दीं?
उत्तर- डॉ. मीनू मेहता ने लेखिका को अलुमिनियम की सीढ़ियों से अस्थायी पुलों का निर्माण करने, लट्ठों और रस्सियों का उपयोग करने, बर्फ़ की आड़ी-तिरछी दीवारों पर रस्सियों को बाँधने तथा अग्रिम दल के अभियांत्रिकी कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

प्रश्न 3. तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में क्या कहा?
उत्तर- तेनजिंग ने लेखिका की तारीफ में कहा, "तुम पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो पहले ही प्रयास में शिखर पर पहुँच जाना चाहिए।

egyanarchive

प्रश्न 4. लेखिका को किनके साथ चढ़ाई करनी थी?
उत्तर- लेखिका के अभियान-दल में यों तो लोपसांग, तशारिंग, एन.डी. शेरपा आदि अनेक सदस्य थे। किंतु उन्हें जिन साथियों के संग यात्रा करनी थी, वे थे-की, जय और मीनू।

प्रश्न 5. लोपसंगा ने तंबू का रास्ता कैसे साफ़ किया?
उत्तर- लोपसांग ने तंबू का रास्ता साफ़ करने के लिए अपनी स्विस छुरी निकाली। उन्होंने लेखिका के आसपास जमे बड़े-बड़े हिमपिंडों को हटाया और लेखिका के चारों ओर जमी कड़ी बर्फ की खुदाई किया। उन्होंने बड़ी मेहनत से लेखिका को बर्फ की कब्र से खींच निकाला।

प्रश्न 6. साउथ कोल कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन की महत्त्वपूर्ण चढ़ाई की तैयारी कैसे शुरू की?
उत्तर- 'साउथ कोल' कैंप पहुँचकर लेखिका ने अगले दिन की चढ़ाई की तैयारी शुरू की। उसने खाना, कुकिंग गैस तथा ऑक्सीजन सिलेंडर इकट्ठे किए। उसके बाद वह चाय बनाने की तैयारी करने लगी।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (50-60 शब्दों में) लिखिए-

प्रश्न 1. उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया?
उत्तर- उपनेता प्रेमचंद ने अभियान दल को खंभु हिमपात की स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि उनके दल ने कैंप-एक जो हिमपात के ठीक ऊपर है, वहाँ तक का रास्ता साफ़ कर दिया है और फल बनाकर, रस्सियाँ बाँधकर तथा डंडियों से रास्ता चिन्हित कर, सभी बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया गया है। उन्होंने इस पर भी ध्यान दिलाया कि ग्लेशियर बर्फ की नदी है और बर्फ का गिरना अभी जारी है। हिमपात में अनियमित और अनिश्चित बदलाव के कारण अभी तक के किए गए सभी काम व्यर्थ हो सकते हैं और हमें रास्ता खोलने का काम दोबारा करना पड़ सकता है।

प्रश्न 2. हिमपात किस तरह होता है और उससे क्या-क्या परिवर्तन आते हैं?
उत्तर- बर्फ़ के खंडों का अव्यवस्थित ढंग से गिरना ही हिमपात कहलाता है। ग्लेशियर के बहने से बर्फ में हलचल मच जाती है। इस कारण बर्फ़ की बड़ी-बड़ी चट्टानें तत्काल गिर जाती हैं। इस अवसर पर स्थिति ऐसी खतरनाक हो जाती है कि धरातल पर दरार पड़ने की संभावना बढ़ जाती है। अकसर बर्फ़ में गहरी-चौड़ी दरारें बन जाती हैं। हिमपात से पर्वतारोहियों की कठिनाइयाँ बहुत अधिक बढ़ जाती हैं।

प्रश्न 3. लेखिका ने तंबू में गिरे बर्फ पिंड का वर्णन किस तरह किया है?
उत्तर- लेखिका ने तंबू में गिरे बर्फ के पिंड का वर्णन करते हुए कहा है कि वह ल्होत्से की बरफ़ीली सीधी ढलान पर लगाए गए नाइलान के तंबू के कैंप-तीन में थी। उसके तंबू में लोपसांग और तशारिंग उसके तंबू में थे। अचानक रात साढ़े बारह बजे उसके सिर में कोई सख्त चीज़ टकराई और उसकी नींद खुल गई। तभी एक जोरदार धमाका हुआ और उसे लगा कि एक ठंडी बहुत भारी चीज़ इसके शरीर को कुचलती चल रही थी। इससे उसे साँस लेने में कठिनाई होने लगी।

प्रश्न 4. लेखिका को देखकर 'की' हक्का-बक्का क्यों रह गया?
उत्तर- जय बचेंद्री पाल का पर्वतारोही साथी था। उसे भी बचेंद्री के साथ पर्वत-शिखर पर जाना था। शिखर कैंप पर पहुँचने में उसे देर हो गई थी। वह सामान ढोने के कारण पीछे रह गया था। अतः बचेंद्री उसके लिए चाय-जूस आदि लेकर उसे रास्ते में लिवाने के लिए पहुँची। जय को यह कल्पना नहीं थी कि बचेंद्री उसकी चिंता करेंगी और उसे लिवी लाने के लिए आएँगी। इसलिए जब उसने बचेंद्री पाल को चाय-जूस लिए आया देखा तो वह हक्का-बक्का रह गया।
प्रश्न 5. एवरेस्ट पर चढ़ने के लिए कुल कितने कैंप बनाए गए? उनका वर्णन कीजिए।
उत्तर- पाठ से ज्ञात होता है कि एवरेस्ट पर चढ़ाई के लिए कुल पाँच कैंप बनाए गए। उनके दल का पहला कैंप 6000 मीटर

egyanarchive

की ऊँचाई पर था जो हिमपात से ठीक ऊपर था। दूसरा कैंप-चार 7900 मीटर की ऊँचाई पर बनाया गया था। कैंप-तीन ल्होत्से की बरफ़ीली सीधी ढलान पर बनाया गया था। यहाँ नाइलोन के तंबू लगाए गए थे। एक कैंप साउथकोल पर बनाया गया था। यहीं से अभियान दल को एवरेस्ट पर चढ़ाई करनी थी। इसके अलावा एक बेस कैंप भी बनाया गया था।

प्रश्न 6. चढ़ाई के समय एवरेस्ट की चोटी की स्थिति कैसी थी?
उतर- जब बचेंद्री पाल एवरेस्ट की चोटी पर पहुँची तो वहाँ चारों ओर तेज़ हवा के कारण बर्फ़ उड़ रही थी। बर्फ़ इतनी अधिक थी कि सामने कुछ नहीं दिखाई दे रहा था। पर्वत की शंकु चोटी इतनी तंग थी कि दो आदमी वहाँ एक साथ खड़े नहीं हो सकते थे। नीचे हजारों मीटर तक ढलान ही ढलान थी। अतः वहाँ अपने आपको स्थिर खड़ा करना बहुत कठिन था। उन्होंने बर्फ के फावड़े से बर्फ़ तोड़कर अपने टिकने योग्य स्थान बनाया।

प्रश्न 7. सम्मिलित अभियान में सहयोग एवं सहायता की भावना का परिचय बचेंद्री के किस कार्य से मिलता है?
उतर- एवरेस्ट पर विजय पाने के अभियान के दौरान लेखिको बचेंद्री पाल अपने साथियो 'जय', की 'मीनू' के साथ चढाई कर रही थी, परंतु वह इनसे पहले साउथ कोल कैंप पर जा पहुँची क्योंकि वे बिना ऑक्सीजन के भारी बोझ लादे चढ़ाई कर रहे थे। लेखिका ने दोपहर बाद इन सदस्यों की मदद करने के लिए एक थरमस को जूस से और दूसरे को गरम चाय से भर लिया और बरफ़ीली हवा में कैंप से बाहर निकल कर उन सदस्यों की ओर नीचे उतरने लगी। उसके इस कार्य से सहयोग एवं सहायता की भावना का परिचय मिलता है।

(ग) निम्नलिखित के आशय स्पष्ट कीजिए-
प्रश्न 1. एवरेस्ट जैसे महान अभियान में खतरों को और कभी-कभी तो मृत्यु भी आदमी को सहज भाव से स्वीकार करनी चाहिए।
उतर- एवरेस्ट की सर्वोच्च चोटी पर चढ़ना एक महान अभियान है। इसमें पग-पग पर जान जाने का खतरा होता है। अतः यदि ऐसा कठिन कार्य करते हुए मृत्यु भी हो जाए, तो उसे सहज घटना के रूप में लेना चाहिए। बहुत हाय-तौबा नहीं मचानी चाहिए।

प्रश्न 2. सीधे धरातल पर दरार पड़ने का विचार और इस दरार का गहरे-चौड़े हिम-विदर में बदल जाने का मात्र खयाल ही बहुत डरावना था। इससे भी ज्यादा भयानक इस बात की जानकारी थी कि हमारे संपूर्ण प्रयास के दौरान हिमपात लगभग एक दर्जन आरोहियों और कुलियों को प्रतिदिन छूता रहेगा।
उत्तर- आशय यह है कि ग्लेशियरों के बहने से बर्फ में हलचल होने से बर्फ की बड़ी-बड़ी चट्टानें अचानक गिर जाती हैं। इससे धरातल पर दरार पड़ जाती है। यही दरारें हिम-विदर में बदल जाती हैं जो पर्वतारोहियों की मृत्यु का कारण बन जाती है। इसका ख्याल ही मन में भय पैदा कर देता है। दुर्भाग्य से यह भी जानकारी मिल गई थी कि इस अभियान दल को अपने अभियान के दौरान ऐसे हिमपात का सामना करना ही पड़ेगा।

egyanarchive

प्रश्न 3. बिना उठे ही मैंने अपने थैले से दुर्गा माँ का चित्र और हनुमान चालीसा निकाला। मैंने इनको अपने साथ लाए लाल कपड़े में लपेटा, छोटी-सी पूजा-अर्चना की और इनको बर्फ में दबा दिया। आनंद के इस क्षण में मुझे अपने माता पिता का ध्यान आया।

उत्तर- जब बचेंद्री पाल हिमालय की चोटी पर सफलतापूर्वक पहुँच गई तो उसने घुटने के बल बैठकर बर्फ़ को माथे से छुआ। बिना सिर नीचे झुकाए हुए ही अपने थैले से दुर्गा माँ का चित्र और हनुमान चालीसा निकाला। उसने इन्हें एक लाल कपड़े में लपेटा। थोड़ी सी पूजा की। फिर इस चित्र तथा हनुमान चालीसा को बर्फ में दबा दिया। उस समय उसे बहुत आनंद मिला। उसने प्रसन्नतापूर्वक अपने माता-पिता को याद किया।

भाषा अध्ययन

प्रश्न 1. इस पाठ में प्रयुक्त निम्नलिखित शब्दों की व्याख्या पाठ का संदर्भ देकर कीजिए-

निहारा है, धसकना, खिसकना, सागरमाथा, जायजा लेना, नौसिखिया

उत्तर-

1. निहारा है- बहुत ध्यान से विस्मय के साथ देखना।

लेखिका ने नमचे बाजार पहुँचकर एवरेस्ट पर चढ़ाई करने से पूर्व उसे निहारा।

2. धसकना- नीचे धंस या दब जाना।

बरफ़ की भारी चट्टानें जब बरफ़ीले धरातल पर गिरती है तो धरातल धसक जाता है। इसका खयाल पर्वतारोहियों को भयभीत करने वाला होता है।

3. खिसकना- धीरे-धीरे सरकना।

ग्लेशियरों के बहने से बरफ़ में हलचल मच जाती है और बड़ी-बड़ी चट्टानें खिसकने लगती हैं।

4. सागरमाथा- सागर का माथा अर्थात् एवरेस्ट।

लेखिका को एवरेस्ट का दूसरा नाम सागरमाथा, जो नेपालियों में पसंद है, पसंद आया।

5. जायजा लेना- अनुमान लगाना।

एवरेस्ट अभियान के समय अग्रिम दल ने पुल बनाकर, रस्सियाँ बाँधकर सभी बड़ी कठिनाइयों का जायजा ले लिया था।

6. नौसिखिया- नया सीखने वाला।

एवरेस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले प्रथम व्यक्ति का गौरव पाने वाले तेनजिंग से लेखिका ने खुद को नौसिखिया कहा।

प्रश्न 2. निम्नलिखित पंक्तियों में उचित विराम-चिह्नों का प्रयोग कीजिए-

1. उन्होंने कहा तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए
2. क्या तुम भयभीत थीं
3. तुमने इतनी बड़ी जोखिम क्यों ली बचेंद्री

उत्तर-

egyanarchive

1. उन्होंने कहा, "तुम एक पक्की पर्वतीय लड़की लगती हो। तुम्हें तो शिखर पर पहले ही प्रयास में पहुँच जाना चाहिए।'
2. "क्या तुम भयभीत थीं?"
3. "तुमने इतनी बड़ी जोखिम क्यों ली बचेंद्री?"

प्रश्न 3. नीचे दिए उदाहरण के अनुसार निम्नलिखित शब्द-युग्मों का वाक्य में प्रयोग कीजिए-
उदाहरण- हमारे पास एक वॉकी-टॉकी थी।

टेढ़ी–मेढ़ी	हक्का–बक्का
गहरे–चौड़े	इधर–उधर
आस–पास	लंबे–चौड़े

उत्तर-

- **टेढ़ी-मेढ़ी-** एवरेस्ट की बरफ़ीली चोटियाँ बरफ़ की टेढ़ी-मेढ़ी नदी-सी लग रही थीं।
- **गहर-चौड़े-** पहाड़ी रास्ते में पड़ने वाले गहरे-चौड़े नाले देखकर मन भयभीत हो रहा था।
- **आसपास-** रेगिस्तान में आसपास कोई भी पेड़ नहीं दिखाई दे रहा था।
- **हक्का-बक्का-** अचानक सेना द्वारा घेरे जाने से आतंकवादी हक्के-बक्के रह गए थे।
- **इधर-उधर-** जंगली रास्ते पर इधर-उधर देखकर चलना।
- **लंबे-चौड़े-** चुनाव के समय नेतागण बड़े लंबे-चौड़े वादे करके जनता को बहलाते हैं।

प्रश्न 4. उदाहरण के अनुसार विलोम शब्द बनाइए-
उत्तर-

1. नियमित – अनियमित
2. आरोही – अवरोही
3. सुंदर – असुंदर, खराब
4. विख्यातं – कुख्यात
5. निश्चित – अनिश्चित

प्रश्न 5. निम्नलिखित शब्दों में उपयुक्त उपसर्ग लगाइए-
उत्तर-

1. आ + वास = आवास
2. अ + व्यवस्थित = अव्यवस्थित
3. प्रति + कूल = प्रतिकूल

egyanarchive

4. दुर् + गति = दुर्गति
5. अव + रोहण = अवरोहण
6. सु + रक्षित = सुरक्षित

प्रश्न 6. निम्नलिखित क्रिया विशेषणों का उचित प्रयोग करते हुए रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-
उत्तर-

1. मैं **अगले दिन** यह कार्य कर लूंगा।
2. **बादल** घिरने के **कुछ देर बाद** ही वर्षा हो गई।
3. **उसने** बहुत **कम समय में** इतनी तरक्की कर ली।
4. नाडकसा को **सुबह तक** गाँव जाना था।

योग्यता विस्तार

प्रश्न 1. इस पाठ में आए दस अंग्रेजी शब्दों का चयन कर उनके अर्थ लिखिए-
उत्तर-

1. बेस कैंप – आधारभूत या मुख्य पड़ाव
2. ग्लेशियर – हिमनद, बरफ़ीली नदी
3. स्ट्रेचर – मरीजों को लाने-ले जाने का उपकरण
4. साउथ – दक्षिण
5. कुकिंग गैस – खाना पकाने वाली गैस
6. आक्सीजन – प्राणवायु, जीवनदायिनी गैस
7. कुली – बोझा उठाने वाले
8. वॉकी-टॉकी – बात करने का एक उपकरण
9. सिलिंडर – बेलनाकार बर्तन
10. थरमस – ठंडा या गरम रखने वाला बर्तन

प्रश्न 2. पर्वतारोहण से संबंधित दस चीजों के नाम लिखिए।
उत्तर-

पर्वतारोहण से जुड़ी चीजें-

रस्सी, फावड़ा, आक्सीजन टैंट, बँटा, वॉकी-टॉकी, थरमस चाय, एल्यूमिनियम की सीढ़ी, बिस्तर, चाकू, हथौड़ा, कील, स्ट्रेचर आदि।

egyanarchive

प्रश्न 3. तेनजिंग शेरपा की पहली चढ़ाई के बारे में जानकारी प्राप्त कीजिए।

उत्तर-

- **पूरा नाम:** तेनजिंग नोर्गे शेरपा
- **जन्म:** 29 मई 1914 (नेपाल में)
- **पहचान:** विश्व के महान पर्वतारोहियों में एक, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट (सागरमाथा) की पहली सफल चढ़ाई की।

पहली सफल चढ़ाई — माउंट एवरेस्ट (1953)

- **दिनांक: 29 मई 1953**
- **साथी पर्वतारोही:** सर **एडमंड हिलेरी** (न्यूजीलैंड से)
- **अभियान का नेतृत्व:** ब्रिटिश पर्वतारोहण अभियान के प्रमुख जॉन हंट कर रहे थे।
- **उद्देश्य:** माउंट एवरेस्ट (दुनिया का सबसे ऊँचा पर्वत — 8848.86 मीटर) की चोटी तक पहुँचना।
- **स्थान:** नेपाल-तिब्बत सीमा पर स्थित एवरेस्ट।

महत्वपूर्ण बातें:

- तेनजिंग नोर्गे और एडमंड हिलेरी पहले इंसान बने, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट की चोटी पर **सफलतापूर्वक कदम रखा**।
- तेनजिंग के पास पहले से पर्वतारोहण का गहरा अनुभव था। वे कई बार एवरेस्ट पर चढ़ने के प्रयासों में शामिल हो चुके थे।
- चोटी पर पहुँचने के बाद तेनजिंग ने **मिठाइयाँ और छोटा झंडा** भगवान को अर्पित किया, जबकि हिलेरी ने एक छोटा **क्रॉस** रखा।
- इस महान उपलब्धि के बाद, तेनजिंग नोर्गे को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिला। भारत ने उन्हें **"पद्म भूषण"** सम्मान से नवाज़ा।

egyanarchive

तेनजिंग का कथन:

"यह हमारा संयुक्त प्रयास था, केवल मेरा या हिलेरी का नहीं। हम दोनों ने एक साथ चोटी पर कदम रखा।"

अतिरिक्त रोचक तथ्य:

- एवरेस्ट विजय के समय तेनजिंग ने ऑक्सीजन सिलेंडर का भी कुशलता से प्रयोग किया।
- तेनजिंग नोर्गे ने बाद में भारत में "हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीट्यूट" (दार्जिलिंग) की स्थापना में मदद की और युवाओं को पर्वतारोहण सिखाया।

प्रश्न 4. इस पर्वत का नाम 'एवरेस्ट' क्यों पड़ा? जानकारी प्राप्त कीजिए।

उत्तर-

स्थानीय नाम:

- नेपाल में इसे **"सागरमाथा"** कहा जाता है, जिसका अर्थ है — *"सागरों का सिर" या "आकाश का सिर"*।
- तिब्बत में इसे **"चोमोलुंगमा"** कहा जाता है, जिसका अर्थ है — *"पृथ्वी की माँ देवी"*।

ब्रिटिश नाम (एवरेस्ट):

19वीं सदी में जब ब्रिटिश सर्वेक्षणकर्ताओं ने दुनिया के सबसे ऊँचे पर्वतों का मापन शुरू किया, तब उन्हें सागरमाथा (चोमोलुंगमा) का अस्तित्व पता चला।

सर्वेक्षण में इसे "पीक XV" (चोटी संख्या 15) के नाम से चिन्हित किया गया था।

नाम रखने का कारण:

1865 में, **ब्रिटिश रॉयल जियोग्राफिकल सोसाइटी** ने इस चोटी का नाम उस समय के **ब्रिटिश सर्वेयर जनरल सर जॉर्ज एवरेस्ट** के सम्मान में "**Mount Everest**" रखा।

कुछ महत्वपूर्ण बातें:

- दिलचस्प बात यह है कि **सर जॉर्ज एवरेस्ट स्वयं इस बात के पक्ष में नहीं थे** कि पर्वत का नाम उनके नाम पर रखा जाए।
- वह चाहते थे कि पर्वत को इसका **स्थानीय नाम** ही दिया जाए।
- लेकिन, उस समय स्थानीय भाषाओं और उच्चारणों में विविधता के कारण ब्रिटिश अधिकारियों ने अंग्रेजी में एक सुविधाजनक नाम चुना — **"एवरेस्ट"**।

परियोजना कार्य

प्रश्न 1. आगे बढ़ती भारतीय महिलाओं की पुस्तक पढ़कर उनसे संबंधित चित्रों का संग्रह कीजिए एवं संक्षिप्त जानकारी प्राप्त करके लिखिए-

(क) पी. टी. उषा

(ख) आरती साहा

(ग) किरण बेदी

उत्तर-

(क) पी. टी. उषा

- **पूरा नाम:** पिलावुळकंडी थेक्केपरांबिल उषा
- **जन्म:** 27 जून 1964 (केरल)
- **उपाधि:** "क्वीन ऑफ इंडियन ट्रैक एंड फील्ड" और "पय्योली एक्सप्रेस"
- **उपलब्धियाँ:**

egyanarchive

- एशियन गेम्स में कई स्वर्ण और रजत पदक जीते।
- 1984 के लॉस एंजेलेस ओलंपिक में 400 मीटर बाधा दौड़ में मात्र 1/100 सेकंड से पदक से चूकीं, पर देश के दिल में बस गईं।
- भारत सरकार ने उन्हें **अर्जुन पुरस्कार** और **पद्म श्री** से सम्मानित किया।

- **विशेषता:** उन्होंने भारतीय महिलाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय खेलों में एक नया रास्ता खोला।

(ख) आरती साहा

- **पूरा नाम:** आरती साहा
- **जन्म:** 24 सितम्बर 1940 (कोलकाता, पश्चिम बंगाल)
- **उपाधि:** भारत की पहली महिला इंग्लिश चैनल तैराक
- **उपलब्धियाँ:**
  - 1959 में इंग्लिश चैनल पार कर इतिहास रचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं।
  - उन्हें **पद्म श्री** पुरस्कार से भी नवाज़ा गया।
- **विशेषता:** उनके साहस और जज़्बे ने भारतीय महिलाओं को चुनौतीपूर्ण खेलों में उतरने की प्रेरणा दी।

(ग) किरण बेदी

- **पूरा नाम:** किरण बेदी
- **जन्म:** 9 जून 1949 (अमृतसर, पंजाब)
- **उपाधि:** भारत की पहली महिला आईपीएस अधिकारी
- **उपलब्धियाँ:**
  - 1972 में भारतीय पुलिस सेवा (IPS) में शामिल हुईं।
  - दिल्ली की तिहाड़ जेल में सुधार कार्यक्रम चलाकर प्रसिद्धि पाई।
  - उन्हें **रैमॉन मैगसेसे पुरस्कार** से सम्मानित किया गया।
- **विशेषता:** उनकी सख्त कार्यशैली और सुधारवादी दृष्टिकोण ने महिलाओं के लिए प्रशासनिक सेवाओं में नई राह बनाई।

egyanarchive

प्रश्न 2.

रामधारी सिंह दिनकर का लेख-'हिम्मत और जिंदगी' पुस्तकालय से लेकर पढ़िए।

उत्तर-

लेख का मुख्य विषय:

यह निबंध बताता है कि जीवन में सफलता पाने के लिए सबसे ज़रूरी गुण है — **हिम्मत**।

- मुश्किलों से घबराना नहीं चाहिए।
- बार-बार गिरने के बाद भी उठकर चलना चाहिए।
- मेहनत, आत्मविश्वास और साहस से ही जिंदगी में बड़े लक्ष्य पूरे होते हैं।
- दिनकर जी यह समझाते हैं कि जो डरते हैं, वे कभी आगे नहीं बढ़ पाते, और जो साहसी होते हैं, वही इतिहास बनाते हैं।

दिनकर जी की शैली:

- उनकी भाषा सरल, प्रभावी और जोश से भरी होती है।
- वे पाठकों के मन में साहस और प्रेरणा भरने में सफल रहते हैं।

प्रश्न 3. 'मन के हारे हार है, मन के जीते जीत'-इस विषय पर कक्षा में परिचर्चा आयोजित कीजिए।

उत्तर-

विषय: मन के हारे हार है, मन के जीते जीत

---

1. परिचर्चा का उद्देश्य:

छात्रों को यह समझाना कि **मन की शक्ति** सबसे बड़ी शक्ति है। अगर हम मन से हार मान लें तो वास्तविक हार होती है। लेकिन अगर हम आत्मविश्वास से भरे रहें, तो कठिन से कठिन परिस्थितियों में भी जीत संभव है।

---

2. भूमिका (Role Introduction):

- **शिक्षक/संचालक:** परिचर्चा का संचालन करेगा, विषय समझाएगा और छात्रों को बोलने के लिए प्रेरित करेगा।
- **छात्र प्रतिभागी:** अपने-अपने विचार, कहानियाँ, उदाहरण, कविता या प्रेरक प्रसंग प्रस्तुत करेंगे।

egyanarchive

---

3. परिचर्चा की संरचना:

(क) उद्घाटन वक्तव्य (Opening Statement)

"जीवन में सबसे बड़ी जीत या हार हमारे बाहरी हालात से नहीं, बल्कि हमारी मानसिक स्थिति से तय होती है।"

(ख) विचार प्रस्तुतिकरण (Student Presentation)

- कुछ छात्र उदाहरण देकर समझाएँ:
    - **महान खिलाड़ियों** (जैसे सचिन तेंदुलकर, एम.एस. धोनी) के संघर्ष।
    - **स्वतंत्रता सेनानियों** (जैसे भगत सिंह, रानी लक्ष्मीबाई) का साहस।
    - **सामान्य जीवन में** छोटे बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक की संघर्ष कथाएँ।

(ग) कहावतों और श्लोकों का प्रयोग

- "जहाँ चाह वहाँ राह।"

- "कर्म किए जा, फल की चिंता मत कर।" (भगवद्गीता)

(घ) मुक्त चर्चा (Open Discussion)

- क्या कभी ऐसा समय आया जब आपने हार मानने की सोची, लेकिन प्रयास जारी रखा और सफल हुए?
- मनोबल बढ़ाने के लिए हम क्या कर सकते हैं?

---

4. निष्कर्ष (Conclusion):

- मन की हार ही असली हार है।
- आत्मविश्वास, साहस और धैर्य से ही सफलता प्राप्त होती है।
- हर असफलता को सीख के रूप में लेना चाहिए।

समापन पंक्तियाँ:

"हार को स्वीकार करने से पहले, प्रयास करना कभी नहीं छोड़ना चाहिए।"

egyanarchive